Daily Current Affairs

Date : 23 June, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	रंजना प्रकाश देसाई समिति (राजस्थान समान नागरिक संहिता हेतु गठित)
2.	राजस्थान की पहली 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF)' टोलिंग प्रणाली
3.	राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान मूल के प्रो. जैनेंद्र के. जैन प्रतिष्ठित 'वुल्फ प्राइज' से सम्मानित 2. 'BLO संवाद कार्यक्रम' : जयपुर 3. एडिनबर्ग में 'रॉयल्स जीमण - 2026' का आयोजन 4. जयपुर विश्व के 20 सर्वश्रेष्ठ कला और सांस्कृतिक शहरों में शामिल 5. कृष्णा नागर : फ्रेंच ओपन पैरा बैडमिंटन में 3 पदक 6. राजस्थान के 3 क्रिकेटर्स 'इमर्जिंग प्लेयर्स टूर्नामेंट' के लिए चयनित 7. रवि बिश्नोई : इंडियन हेल्थकेयर लीग (IHL) के ब्रांड एंबेसडर
5.	19वाँ मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ), 2026
6.	ऐप 'गिटार विज': एप्पल डिज़ाइन अवॉर्ड, 2026
7.	एशियन रिले चैंपियनशिप, 2026
8.	राखीगढ़ी
9.	अभिज्ञान ऐप
10.	पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र
11.	'तृष्णा' सैटेलाइट
12.	भारत: जहाज पुनर्चक्रण केंद्र
13.	नवीनतम यूनिकॉर्न: सर्वम एआई कंपनी

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान परिदृश्य

रंजना प्रकाश देसाई समिति
(राजस्थान समान नागरिक संहिता हेतु गठित)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान सरकार ने 'समान नागरिक संहिता (यूनिफार्म सिविल कोड)' विधेयक का प्रारूप तैयार करने हेतु 'न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई' की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

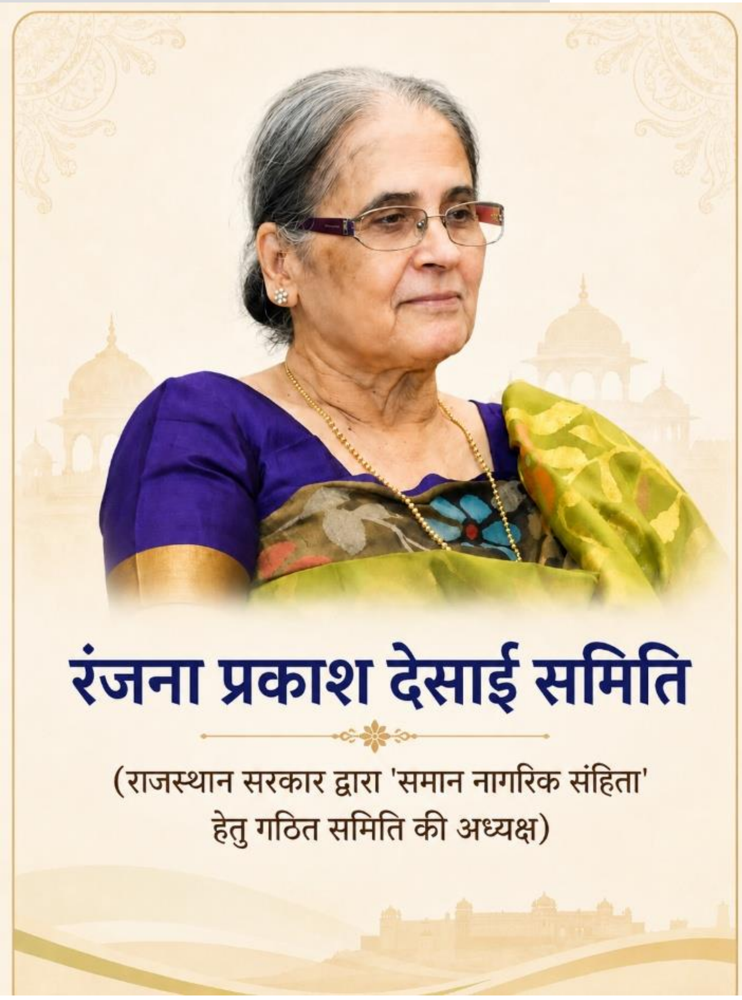

मुख्य बिन्दु:

- **समिति की अध्यक्ष :** न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई (सर्वोच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश)।
- **समिति के सदस्य :** शत्रुघ्न सिंह (सेवानिवृत्त IAS), बसंत सिंह छाबा (राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता), रामस्वरूप अग्रवाल (राजकीय विधि महाविद्यालय, श्री गंगानगर के सेवानिवृत्त प्राचार्य) और डॉ. शुचि चौहान।
- **समिति के सदस्य सचिव :** अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग)।
- **मंत्रिमंडलीय निर्णय :** 14 अप्रैल, 2026 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक में ।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

संभावित मुख्य प्रावधान:

- **आदिवासी समुदाय के रीति-रिवाजों को सुरक्षित रखा जाएगा और उन्हें संवैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी।**
- **विवाह और तलाक का अनिवार्य पंजीकरण, बहुविवाह पर पूर्ण रोक, लिव-इन रिलेशनशिप का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन तथा पैतृक संपत्ति में पुत्र-पुत्री दोनों को समान अधिकार आदि।**

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **समान नागरिक संहिता (UCC) : भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए धर्म, जाति, पंथ या समुदाय से परे एक समान नागरिक कानून।**
- **समान नागरिक संहिता (UCC) का मुख्य उद्देश्य भारत के सभी नागरिकों के लिए धर्म, जाति या लिंग की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और बच्चा गोद लेने जैसे व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले एक समान कानूनों का निर्माण करना है।**
- **संवैधानिक प्रावधान : समान नागरिक संहिता की अवधारणा का उल्लेख भारतीय संविधान के भाग – IV के अनुच्छेद - 44 में 'राज्य नीति के निदेशक तत्त्व' के रूप में किया गया है, जहाँ कहा गया है कि राज्य भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिये एकसमान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।**
- **महत्त्वपूर्ण बिन्दु : 7 फरवरी, 2024 को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बना, जिसने समान नागरिक संहिता (UCC) को विधानसभा में पारित कर विधिक रूप से लागू किया।**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान की पहली 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF)' टोलिंग प्रणाली

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) - 48 के दिल्ली-जयपुर खंड पर स्थित 'दौलतपुरा टोल प्लाजा' पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) आधारित टोलिंग प्रणाली का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- यह राजस्थान में शुरू होने वाली अपनी तरह की पहली MLFF टोलिंग प्रणाली है।
- **प्रणाली के बारे में :** MLFF (मल्टी-लेन फ्री फ्लो) एक आधुनिक, बाधा-मुक्त इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग सिस्टम है, जो टोल बूथों की आवश्यकता को समाप्त करता है। RFID रीडर, AI और ANPR (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरों से लैस ओवरहेड गैन्ट्री का उपयोग करके, यह FASTag से टोल राशि स्वचालित रूप से काट लेता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **भारत की पहली MLFF टोल प्रणाली :** NHAI ने गुजरात के NH-48 सूरत-भरूच खंड पर चोरायासी टोल प्लाजा में देश के पहले MLFF टोलिंग प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। वहीं देश की दूसरी MLFF टोल प्रणाली दिल्ली के अर्बन एक्सटेंशन रोड-II पर मुंडका बक्करवाला टोल प्लाजा में लागू की गई है।
- इस प्रणाली का कार्यान्वयन डिजिटल राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI):

- **स्थापना :** भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1988 के अंतर्गत वर्ष 1995 से कार्य प्रारंभ।
- **संबंधित मंत्रालय :** सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम

चर्चा में क्यों?

- **वर्ष 1894 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष 23 जून को 'इंटरनेशनल ओलंपिक डे' मनाया जाता है।**

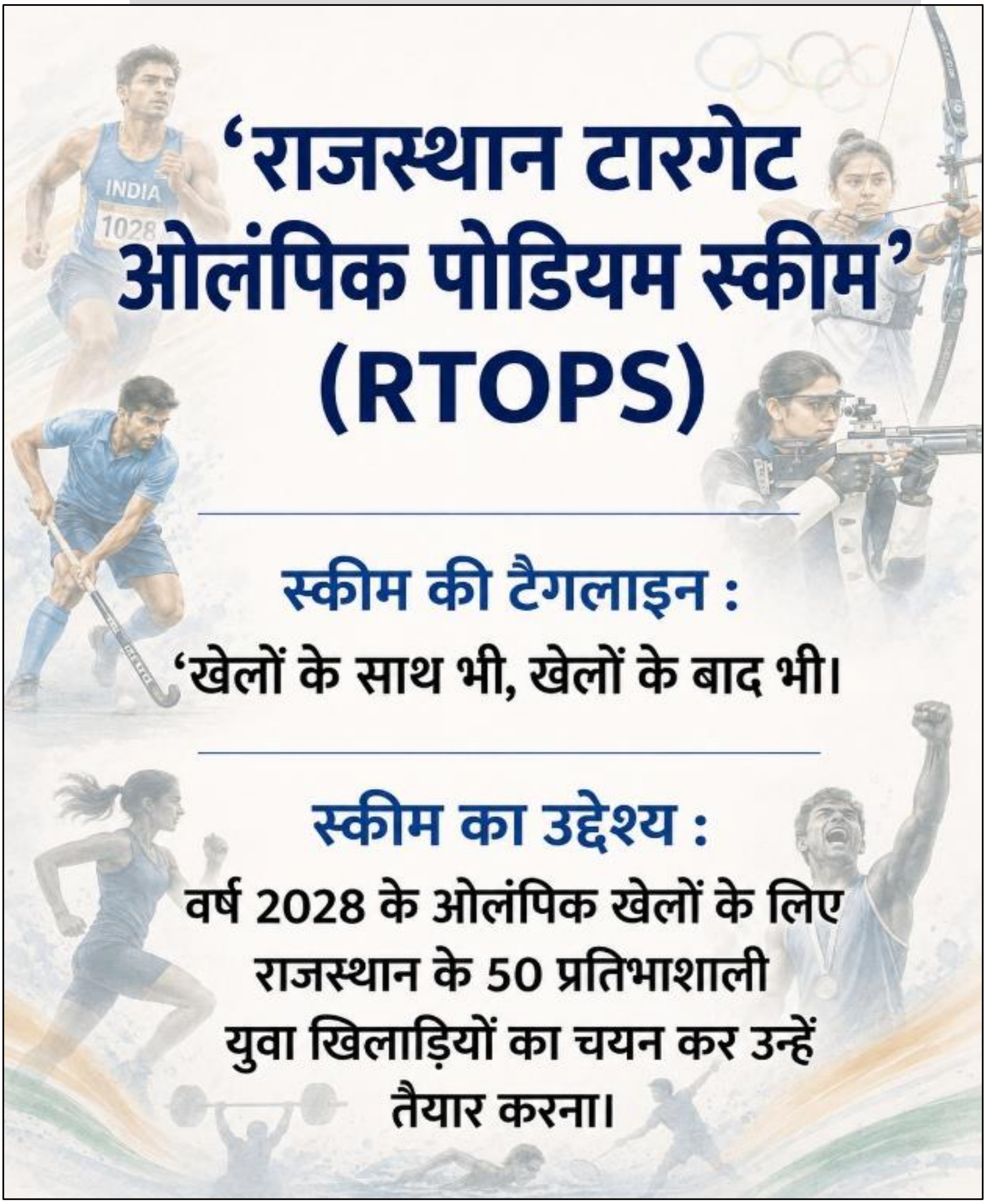

मुख्य बिन्दुः

- **वर्ष 2026 का विषय :** 'आप यह कर सकते हैं।'

राजस्थान के संदर्भ में :

- **RTOPS :** राजस्थान की प्रतिभाओं को ओलंपिक के मंच तक पहुँचाने के लिए केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य में 'राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (RTOPS) शुरू की गई है।
- इस स्कीम का उद्देश्य वर्ष 2028 के ओलंपिक खेलों के लिए राजस्थान के 50 प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें तैयार करना तथा इन चयनित खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय कोच, प्रशिक्षण, किट और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करना है।
- **स्कीम की टैगलाइन :** 'खेलों के साथ भी, खेलों के बाद भी।
- स्कीम के तहत चयनित खिलाड़ियों को ₹25,000 मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ता दिया जाएगा।
- यह योजना उन खिलाड़ियों के लिए हैं, जो केंद्र सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (TOP) स्कीम का लाभ नहीं ले रहे हैं। इसमें 20 प्रतिशत सीटें पैरा-खिलाड़ियों के लिए आरक्षित रखी गई हैं।
- योजना के पारदर्शी संचालन और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए 'राजस्थान मिशन ओलंपिक समिति' और 'राज्य प्रतिभा खोज एवं विकास समिति' का गठन किया गया है।
- चयनित खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ प्रदान करने हेतु जयपुर में 'राजस्थान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया जाएगा।

स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस से सुरक्षा कवच:

- खिलाड़ियों के जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम लागू की है।
- इसके तहत अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं को ₹25 लाख तक का दुर्घटना एवं जीवन बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।
- साथ ही, खिलाड़ियों को अत्याधुनिक खेल उपकरण खरीदने के लिए भी वित्तीय सहायता दी जा रही है।

ओलिम्पिक में भाग लेने वाले राजस्थान के खिलाड़ी:

खिलाड़ी	खेल	ओलंपिक
समर बनर्जी	फुटबॉल	1956
करणी सिंह	शूटिंग	1960
विरसा सिंह	एथलेटिक्स	1960
अवतार सिंह	हॉकी	1972
श्रीराम सिंह	एथलेटिक्स	1976
गंगोत्री भंडारी	हॉकी	1980
वर्षा सोनी	हॉकी	1980
राधेश्याम	बास्केटबॉल	1980
गोपाल सैनी	एथलेटिक्स	1980
श्यामलाल मीणा	तीरंदाजी	1988
लिम्बा राम	तीरंदाजी	1988, 1992, 1996
कासम खान	रोइंग	2000
राज्यवर्धन सिंह	शूटिंग	2004, 2008
कृष्णा पूनिया	एथलेटिक्स	2008
बजरंग ताखर	रोइंग	2008
शगुन चौधरी	शूटिंग	2012
अपूर्वी चंदेला	शूटिंग	2016, 2020
सपना पूनिया	एथलेटिक्स	2016
भावना जाट	एथलेटिक्स	2020
अर्जुन लाल जाट	रोइंग	2020
अनंतजीत सिंह नरुका	शूटिंग	2024
माहेश्वरी चौहान	शूटिंग	2024

- **अन्य खिलाड़ी :** गुलाम मोहम्मद (घुड़सवारी), विशाल सिंह (घुड़सवारी), बलदेव सिंह (बास्केटबॉल) और अजमेर सिंह (बास्केटबॉल)।

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान मूल के प्रो. जैनेंद्र के. जैन प्रतिष्ठित 'वुल्फ प्राइज' से सम्मानित** ■ राजस्थान मूल के अमरीकी सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी प्रो. जैनेंद्र के. जैन को 'मिश्रित फर्मियन की खोज के लिए' प्रतिष्ठित वुल्फ प्राइज से सम्मानित किया गया। ■ प्रो. जैनेंद्र के. जैन का जन्म जयपुर जिले के सांभर में हुआ था। वे वुल्फ प्राइज पाने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति है। ■ सम्मान प्रदानकर्ता : इजरायल की संसद नेसेट में आयोजित समारोह में इजरायल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग। ■ 'वुल्फ फाउंडेशन' की ओर से दिया जाने वाला यह पुरस्कार नोबेल के बाद विश्व का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है।
2.	**'BLO संवाद कार्यक्रम' : जयपुर** ■ आयोजन : 20 जून, 2026 को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), जयपुर। ■ भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने राजस्थान के 700+ बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) और सुपरवाइजर्स से संवाद किया। ■ 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) में राजस्थान ने देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पहला स्थान प्राप्त किया।
3.	**एडिनबर्ग में 'रॉयल्स जीमण - 2026' का आयोजन** ■ हाल ही में, स्कॉटलैंड की राजधानी एडिनबर्ग में 'रॉयल्स जीमण - 2026' का आयोजन किया गया। ■ आयोजक : राजस्थानी ऑर्गनाइजेशन फॉर यूथ, आर्ट्स एंड लेगेसी इन स्कॉटलैंड (ROYALS) द्वारा।

4.

जयपुर विश्व के 20 सर्वश्रेष्ठ कला और सांस्कृतिक शहरों में शामिल

- टाइम आउट द्वारा जारी ग्लोबल रैंकिंग में जयपुर को विश्व के टॉप-20 कला-सांस्कृतिक शहरों में शामिल किया गया। इस सूची में शामिल होने वाला जयपुर देश का एकमात्र शहर है।
- **प्रथम स्थान :** लंदन (यूनाइटेड किंगडम)।
- **जयपुर का स्थान :** 18वाँ।

5.

कृष्णा नागर : फ्रेंच ओपन पैरा बैडमिंटन में 3 पदक

- राजस्थान के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्णा नागर ने 'फ्रेंच ओपन पैरा बैडमिंटन' में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक और युगल में दो कांस्य पदक जीते।

इवेंट	श्रेणी	पदक	प्रतिद्वंद्वी/जोड़ीदार
पुरुष एकल (Men's Singles)	SH6	स्वर्ण	फ्रांस के चार्ल्स नोक्स को हराया।
पुरुष युगल (Men's Doubles)	SH6	कांस्य	शिवराजन सोलाइमलाई के साथ।
मिश्रित युगल (Mixed Doubles)	SH6	कांस्य	नित्या श्री सुमति सिवन के साथ।

6.

राजस्थान के 3 क्रिकेटर्स 'इमर्जिंग प्लेयर्स टूर्नामेंट' के लिए चयनित

- राजस्थान के तीन क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन 'इमर्जिंग प्लेयर्स टूर्नामेंट' के लिए हुआ।
- **आयोजन :** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE), बेंगलुरु में।

चयनित खिलाड़ी :

- चेतन शर्मा (भरतपुर)
- कार्तिक शर्मा (भरतपुर)
- गणेश सुथार (जोधपुर)

7.

रवि बिश्नोई : इंडियन हेल्थकेयर लीग (IHL) के ब्रांड एंबेसडर

- भारतीय युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को विश्व की सबसे बड़ी हेल्थकेयर क्रिकेट लीग, 'इंडियन हेल्थकेयर लीग' (IHL) का आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर बनाया गया।

राष्ट्रीय परिदृश्य

19वाँ मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ), 2026

[स्रोत: PIB और DD NEWS]

चर्चा में क्यों?

- 15 से 21 जून, 2026 तक मुंबई में वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री फिल्म), लघु कथा (शॉर्ट फ़िक्शन फ़िल्म) और एनीमेशन फिल्मों को समर्पित 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ), 2026 का आयोजन किया गया।

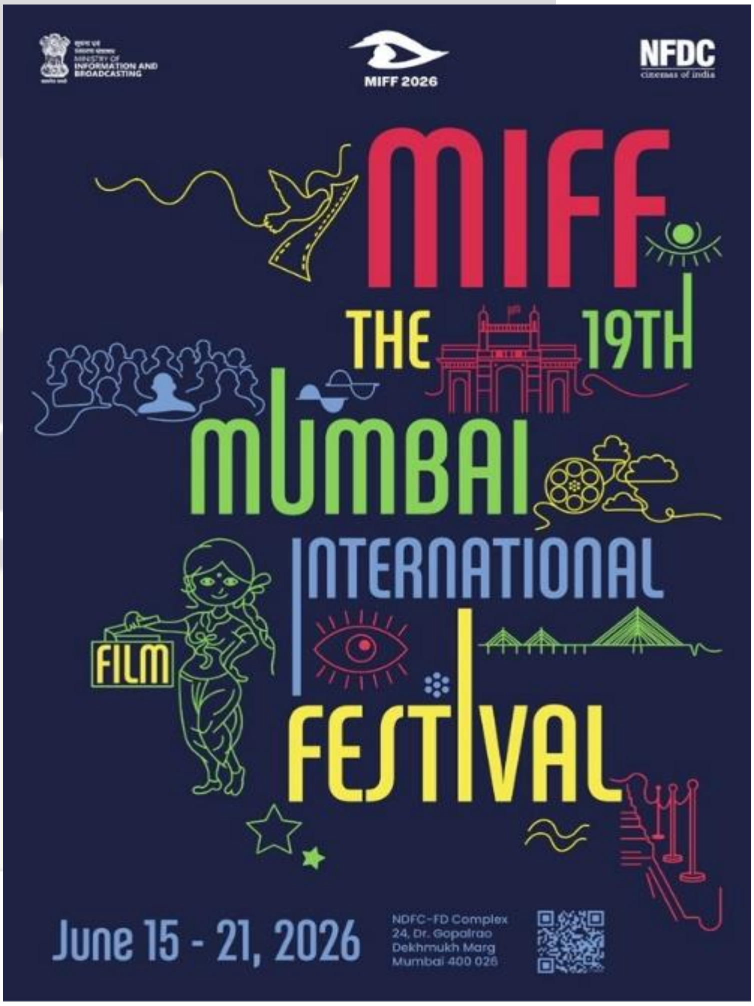

मुख्य बिन्दु:

- **इतिहास:** वर्ष 1990 में शुरू हुआ मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) दक्षिण एशिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा गैर-फीचर फिल्म महोत्सव है।
- **आयोजक:** भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा आयोजित किया जाता हैं।
- प्रतियोगिता वर्ग में कुल 144 फिल्में शामिल हैं, जिनमें 52 अंतरराष्ट्रीय और 92 राष्ट्रीय प्रविष्टियाँ हैं। ये फिल्में 13 देशों के फिल्म निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- गैर-प्रतियोगिता वर्ग में कुल 202 फिल्में प्रदर्शित की गई, जिनमें 106 अंतरराष्ट्रीय और 96 राष्ट्रीय फिल्में शामिल हैं।
- **विजेता:** समापन समारोह के दौरान डॉक्यूमेंट्री, एनिमेशन और शॉर्ट फिक्शन फिल्म निर्माण में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुल 17 पुरस्कार प्रदान किए गए।

1. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता श्रेणी

पुरस्कार श्रेणी	विजेता फिल्म	देश	विजेता व्यक्ति
गोल्डन कोंच (सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री फिल्म) + 10 लाख रुपये	'सिल्वर'	पोलैंड	नतालिया कोनियार्ज़ (डायरेक्टर) और मैसी कुबिकी (प्रोड्यूसर)
सिल्वर कोंच (सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय लघु कथा/शॉर्ट फ़िक्शन फ़िल्म) + 5 लाख रुपये	'अंडर द स्नो'	ईरान	नफ़ीसे ज़ारे (डायरेक्टर) और कोट्टुकाथिरा प्रकाश, दीपांकर प्रकाश (प्रोड्यूसर)
सिल्वर कोंच (सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन) + 5 लाख रुपये	'मायाज़ सांग'	जर्मनी	फ्रांज़िस्का शॉनेनबर्गर और जयकृष्णन सुब्रमण्यन (निर्देशक/निर्माता)

पुरस्कार	विजेता फिल्म	विजेता व्यक्ति
सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफर का पुरस्कार	'टर्टल वॉकर' (भारतीय डॉक्यूमेंट्री)	श्रीकृष्ण मखीजा
सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग का पुरस्कार	'अबाउट द काउ' (रूस की शॉर्ट फिक्शन फिल्म)	एवगेनी स्मिरनोव और मैक्सिम स्मिरनोव
सर्वश्रेष्ठ साउंड डिज़ाइनर का पुरस्कार	'देवा आज पान व्हाय'	अभय रुमडे (पर्पल हेज़ स्टूडियो)
"विकसित भारत/वंदे मातरम के 150 वर्ष/भारत@2026" विषय पर सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार	'द लास्ट शेल्टर'	भरत अरोड़ा और राजेश भाटिया
सबसे इनोवेटिव/एक्सपेरिमेंटल फिल्म के लिए प्रमोद पति स्पेशल जूरी पुरस्कार	'द होर्डर्स' (ताइवानी फिल्म)	चुआन-यिंग लियाओ

1. राष्ट्रीय प्रतियोगिता श्रेणी

पुरस्कार श्रेणी	विजेता फिल्म	पुरस्कार प्राप्तकर्ता (निर्देशक/निर्माता)
सिल्वर कोंच (सर्वश्रेष्ठ भारतीय वृत्तचित्र/डॉक्यूमेंट्री) + 5 लाख रुपये	'वाई'	डायरेक्टर साईनाथ एस. उसकैकर और प्रोड्यूसर भरतबाला गणपति
सिल्वर कोंच (सर्वश्रेष्ठ भारतीय लघु कथा/शॉर्ट फ़िक्शन फ़िल्म) +3 लाख रुपये	'स्मॉल क्लाऊड्स'	एफटीआईआई के वाइस चांसलर धीरज सिंह और डायरेक्टर शुभम सुमित
सिल्वर कोंच (सर्वश्रेष्ठ भारतीय एनिमेशन) + 3 लाख रुपये	'आर्मस्ट्रांग फ्रॉम आंगालम्मन टेम्पल स्ट्रीट' (तमिल)	भुवनेश एम. कुमार

पुरस्कार	विजेता फिल्म	विजेता व्यक्ति
सर्वश्रेष्ठ साउंड डिज़ाइन पुरस्कार	'कोवार्टी'	बिग्यना दहल
सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग पुरस्कार	'मेडे' (MAYDAY)	अखिल कृष्णन
सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफर का पुरस्कार	फिल्म 'स्मॉल क्लाउड्स'	रणधीर विस्वास
FIPRESCI इंटरनेशनल क्रिटिक्स प्राइज़ (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फिल्म क्रिटिक्स द्वारा शुरू)	'द हग ऑफ एम्प्टिनेस'	प्रदीप केनचनुरु
सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट फिल्म के लिए आईपीडीए पुरस्कार	'द ओल्ड बुल नोज़, ऑर वन्स न्यू'	मिलन कुमार
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू डायरेक्टर के लिए दादा साहब फाल्के चित्रनगरी पुरस्कार	फिल्म 'राज़ा'	पूजा टोलानी

ऐप 'गिटार विज': एप्पल डिज़ाइन अवॉर्ड, 2026

[स्रोत: DD NEWS]

चर्चा में क्यों?

- अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने भारतीय मूल के ऐप 'गिटार विज' को एप्पल डिज़ाइन अवॉर्ड, 2026 के 'समावेशिता' (इनक्लूसिविटी) श्रेणी का विजेता घोषित किया है।

मुख्य बिन्दु:

- **श्रेणियाँ:** इसमें समावेशिता, नवाचार, इंटरैक्शन, सामाजिक प्रभाव, आनंद और मनोरंजन तथा विजुअल्स एवं ग्राफिक्स जैसी विभिन्न श्रेणियाँ शामिल हैं।
- **योगदान:** यह सम्मान विभिन्न क्षमताओं वाले उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ और समावेशी संगीत अनुभव उपलब्ध कराने के लिए दिया गया है।
- **परिचय और विकास:** भारतीय डेवलपर बिजॉय थंगराज द्वारा विकसित गिटार विज एक ऑल-इन-वन टूलकिट है, जिसे नए और अनुभवी दोनों प्रकार के गिटार वादकों के लिए तैयार किया गया है। यह ऐप सुर, कॉर्ड्स, उंगलियों की सही स्थिति और गिटार सीखने से जुड़ी अन्य जानकारियों के लिए वॉइस-आधारित मार्गदर्शन प्रदान करता है।

एशियन रिले चैंपियनशिप, 2026

[स्रोत: AIR]

चर्चा में क्यों?

- चीन के शांगयु में आयोजित एशियन रिले चैंपियनशिप, 2026 में भारत की महिला टीम ने 4×100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता।

मुख्य बिन्दु:

- इससे पहले, भारत ने 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में रजत और 4×100 मीटर मिक्स्ड रिले में कांस्य पदक हासिल किया था।
- इससे पूर्व, 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में भारत दूसरे और कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रही। भारत ने 4×100 मीटर मिक्स्ड रिले में भी कांस्य पदक जीता। थाईलैंड ने स्वर्ण, जबकि चीन ने रजत पदक जीता।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

इतिहास एवं संस्कृति

राखीगढ़ी

चर्चा में क्यों?

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने हरियाणा के राखीगढ़ी में खुदाई में मिले लगभग 5,000 साल पुराने कंकालों को वैज्ञानिक परीक्षण और चेहरे के पुनर्निर्माण के लिए भेजा है।

मुख्य बिन्दु:

राखीगढ़ी

- वर्तमान राखीगढ़ी, हरियाणा में घग्गर-हाकरा नदी के मैदानी क्षेत्र में, घग्गर नदी से 27 किलोमीटर दूर स्थित है।
- यह पुरातात्विक स्थल 2600-1900 ईसा पूर्व का है।
- यह भारतीय उपमहाद्वीप में स्थित सबसे बड़ा हड़प्पाकालीन स्थल है।
- इस स्थल की पहली खुदाई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अमरेंद्र नाथ ने की थी।
- **अन्न भंडार:** यहाँ परिपक्व हड़प्पा काल (2600 ईसा पूर्व से 2000 ईसा पूर्व) से संबंधित एक अन्न भंडार मिला है। इसमें 7 आयताकार या वर्गाकार कक्ष हैं।
- **संस्कृति, वस्त्र और पूजा-अर्चना:** राखीगढ़ी में अग्नि वेदियों और अर्धवृत्ताकार संरचनाओं का पता चला है।
- **कब्रिस्तान और दफन स्थल:** राखीगढ़ी में परिपक्व हड़प्पा काल का एक कब्रिस्तान खोजा गया है, जिसमें आठ कब्रें मिली हैं।

हड़प्पा सभ्यता

- हड़प्पा सभ्यता को मिस्र और मेसोपोटामिया के साथ-साथ दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक माना जाता है।
- इसका विकास सिंधु नदी के किनारे हुआ था और इसी कारण इसे सिंधु घाटी सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
- हड़प्पा सभ्यता को कांस्य युग की सभ्यता के रूप में पहचाना जाता है क्योंकि वहाँ से तांबे की मिश्र धातुओं से बनी कई वस्तुएँ मिली हैं ।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

अभिज्ञान ऐप

मुख्य बिन्दु:

- **केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा विकसित अभिज्ञान ऐप का शुभारंभ किया।**
- **यह ऐप राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (NAFIS) से जुड़कर आरोपियों, दोषियों और जेल में बंद लोगों के फिंगरप्रिंट स्कैन को एक केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म पर संग्रहीत करता है।**
- **इन प्रिंटों का मिलान 35 सेकंड में NAFIS डेटाबेस से किया जा सकता है ।**
- **सड़कों पर वाहनों की नियमित जाँच के दौरान, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति का बायोमेट्रिक स्कैन करके अपराधों के संबंध में वांछित व्यक्तियों की पहचान की जा सकती है।**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

- पश्चिमी घाट को जल्द ही कम से कम तीन राज्यों में पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (ईएसए) की अधिसूचना के माध्यम से अधिक मजबूत कानूनी संरक्षण प्राप्त हो सकता है।

मुख्य बिन्दु:

- एक बार अधिसूचित हो जाने के बाद, इन क्षेत्रों में खनन, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और बड़े निर्माण परियोजनाओं पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र क्या हैं?

- ईएसए ऐसे नामित क्षेत्र हैं, जिन्हें उनकी समृद्ध जैव विविधता, नाजुक पारिस्थितिक तंत्र या महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिक कार्यों के कारण विशेष पर्यावरण संरक्षण के लिए चुना गया है।
- इन्हें पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है ।
- सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में निर्देश दिया था कि प्रत्येक संरक्षित वन, राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य की सीमांकित सीमा से कम से कम एक किलोमीटर का अनिवार्य पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र होना चाहिए ।
- ईएसए का दर्जा मिलने का मतलब यह भी है कि उस क्षेत्र में किसी भी विकास परियोजना को सख्त पर्यावरणीय जाँच के दायरे में लाया जाएगा।

पश्चिमी घाट

- पश्चिमी घाट, जिसे सह्याद्री पहाड़ियों के नाम से भी जाना जाता है, एक पर्वत श्रृंखला है जो भारत के पश्चिमी तट के समानांतर फैली हुई है।

- **स्थान:** पश्चिमी घाट उत्तर में गुजरात से लेकर दक्षिण में तमिलनाडु तक लगभग 1,600 किलोमीटर तक फैला हुआ है।

- **जैव विविधता:** पश्चिमी घाट को विश्व में जैविक विविधता के 8 सबसे "उत्कृष्ट केंद्रों" में से एक माना जाता है।
- भारत के 50% उभयचर और 67% मछली प्रजातियाँ इसी क्षेत्र में पाई जाती हैं।
- **संरक्षण:** 2012 में, पश्चिमी घाट को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
- **पश्चिमी घाट की प्रमुख चोटियाँ:** अनामुडी पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी है, जो केरल में स्थित है।
- डोड्डाबेट्टा तमिलनाडु का सबसे ऊँचा स्थान है।

विज्ञान प्रौद्योगिकी

‘तृष्णा’ सैटेलाइट

[स्रोत; DD NEWS और ISRO]

चर्चा में क्यों?

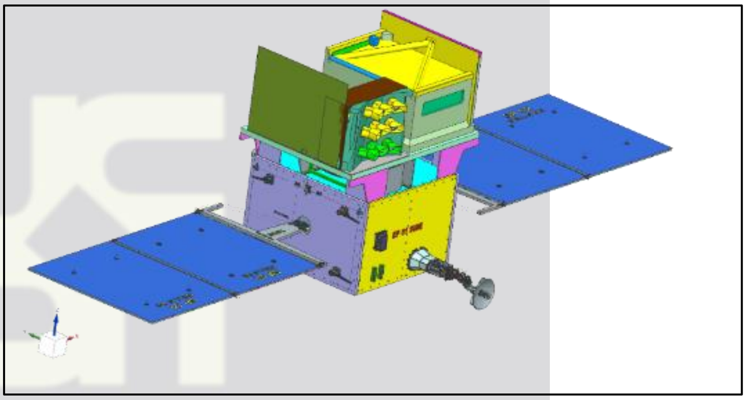

- वर्ष 2027 में भारत और फ्रांस संयुक्त रूप से ‘तृष्णा’ सैटेलाइट को लॉन्च करेंगे।

मुख्य बिन्दु:

- **पूरा नाम:** Thermal Infrared Imaging Satellite for High-resolution Natural Resource Assessment (उच्च विभेदन प्राकृतिक संसाधन मूल्यांकन के लिए तापीय अवरक्त प्रतिबिंबन उपग्रह)
- **परिचय:** तृष्णा (उच्च विभेदन प्राकृतिक संसाधन मूल्यांकन के लिए तापीय अवरक्त प्रतिबिंबन उपग्रह) मिशन, इसरो और CNES (फ्रांस) के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जो क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर पर सतही ऊर्जा बजट के लिए पृथ्वी के सतही तापमान, उत्पादकता, जैवभौतिक और विकिरण चरों की उच्च स्थानिक और उच्च कालिक विभेदन निगरानी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया हैं।
- **सहयोग:** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी (CNES)।
- **कक्षा:** यह उपग्रह भूमध्य रेखा पर 12:30 बजे के स्थानीय समय के साथ 761 किमी की ऊँचाई पर सूर्य तुल्यकाली कक्षा में संचालित होगा।
- **समयावधि:** मिशन को 5 वर्ष के परिचालन हेतु डिज़ाइन किया गया है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **क्षमता:** यह कक्षा भूमि और तटीय क्षेत्रों के लिए 57 मीटर और समुद्री और ध्रुवीय क्षेत्रों के लिए 1 किमी का स्थानिक विभेदन प्रदान करेगा।
- यह मिशन वाष्पोत्सर्जन निगरानी के माध्यम से मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन और कुशल जल संसाधन प्रबंधन के प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्त्वपूर्ण जल और खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करता है।
- **प्राथमिक उद्देश्य:** तृष्णा के प्राथमिक उद्देश्यों में स्थलीय जल तनाव और जल उपयोग को मापने के लिए महाद्वीपीय जीवमंडल के ऊर्जा और जल बजट की विस्तृत निगरानी और तटीय अंतर्देशीय जल में जल गुणवत्ता और गतिशीलता के उच्च विभेदन प्रेक्षण शामिल हैं।
- **द्वितीयक उद्देश्य:** द्वितीयक उद्देश्यों के रूप में, तृष्णा मिशन शहरी गर्म द्वीपों के व्यापक मूल्यांकन, ज्वालामुखी गतिविधि और भूतापीय संसाधनों से जुड़ी तापीय विसंगतियों का पता लगाने और हिम-पिघलने वाले अपवाह और हिमनद गतिशीलता की सटीक निगरानी में भी सहायता करेगा।
- **उपकरण:** तृष्णा उपग्रह दो प्राथमिक नीतभारों (Primary Payloads) से सुसज्जित है।
  1. **तापीय अवरक्त (टीआईआर) नीतभार:** सीएनईएसएस द्वारा प्रदान किए गए तापीय अवरक्त (टीआईआर) नीतभार में चार चैनल वाली लंबी-तरंग अवरक्त प्रतिबिंबन संवेदक है जो उच्च-विभेदन सतह के तापमान और उत्सर्जन मानचित्रण में सक्षम है।
  2. **दृश्यमान - निकट अवरक्त - लघु तरंग अवरक्त (वीएनआईआर-एसडब्ल्यूआईआर) नीतभार:** इसरो द्वारा विकसित इस नीतभार में महत्त्वपूर्ण जैवभौतिक और विकिरण बजट चर उत्पन्न करने के लिए वीएसडब्ल्यूआईआर बैंड की सतह परावर्तन के विस्तृत मानचित्रण के लिए डिज़ाइन किए गए सात वर्णक्रमीय बैंड शामिल हैं।

भारत: जहाज पुनर्चक्रण केंद्र

[स्रोत: PIB और AIR]

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक जहाज पुनर्चक्रण में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2024 के 30.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 35.4 प्रतिशत हो गई है, जो विश्व में सबसे अधिक है।

मुख्य बिन्दु:

- भारत ने समुद्री भारत विजन, 2030 के जहाज पुनर्चक्रण लक्ष्य को निर्धारित समय से 5 वर्ष पहले ही हासिल किया।
- भारत में जहाज पुनर्चक्रण वर्ष 2024 के 1.86 मिलियन ग्रॉस टन से लगभग 60 प्रतिशत बढ़कर वर्ष वर्ष 2025 में 2.99 मिलियन ग्रॉस टन तक पहुँच गया है।
- बाल्टिक और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिषद (बीआईएमसीओ) के अनुसार, अगले दशक में वैश्विक स्तर पर 16,000 से अधिक जहाजों के पुनर्चक्रण की संभावना है।
- वर्तमान में 35.4 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ, भारत सालाना लगभग 500 से 600 जहाजों का पुनर्चक्रण करने और अपनी जहाज पुनर्चक्रण क्षमता का विस्तार जारी रखने के लिए अच्छी स्थिति में है।

सरकार की प्रमुख पहलें:

1. **हांगकांग कन्वेंशन का अनुपालन:** भारत सरकार ने जहाजों के सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल पुनर्चक्रण के लिए हांगकांग अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन (एचकेसी) के अनुरूप जहाज पुनर्चक्रण इकोसिस्टम विकसित करने के लिए जहाज पुनर्चक्रण अधिनियम, 2019 लागू किया।

2. **जहाज पुनर्चक्रण क्रेडिट नोट योजना:** पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जहाज पुनर्चक्रण क्रेडिट नोट योजना शुरू की है, जिसके तहत् जहाज मालिकों को पुनर्चक्रित जहाज के स्क्रैप मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर क्रेडिट नोट प्राप्त होता है।

3. **यूरोपीय संघ के जहाज पुनर्चक्रण विनियमों (ईयूएसआरआर) के अंतर्गत शामिल होना:** भारत सरकार भारतीय जहाज पुनर्चक्रण यार्डों को यूरोपीय संघ की अनुमोदित पुनर्चक्रण सुविधाओं की सूची में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत है।

4. **अलंग शिप रिसाइक्लिंग यार्ड का विस्तार:** भारत का लक्ष्य अलंग शिप रिसाइक्लिंग यार्ड के नियोजित विस्तार के माध्यम से अपनी जहाज पुनर्चक्रण क्षमता को लगभग दोगुना करके 9 मिलियन लाइट डिस्प्लेसमेंट टन (एलडीटी) तक पहुँचाना है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

नवीनतम यूनिकॉर्न: सर्वम एआई कंपनी

[स्रोत: Financial Express]

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2026 में बेंगलुरु स्थित सर्वम एआई कंपनी, 1.5 बिलियन डॉलर के मूल्य के साथ भारत की पाँचवीं यूनिकॉर्न कंपनी बन गई हैं।

मुख्य बिन्दु:

- यह भारत का पहला ऐसा फुल-स्टैक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप बन गया है, जिसका मूल्य 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।
- इस उपलब्धि के साथ सर्वम, जसपे, नेयसा, क्रेडिटबी और स्काईरूट एयरोस्पेस के साथ भारत में इस वर्ष यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने वाले 5 स्टार्टअप्स में शामिल हो गया है।
- नियामकीय दस्तावेज़ के अनुसार, एचसीएल टेक कंपनी में 10.46% हिस्सेदारी के लिए ₹1,427 करोड़ का निवेश करेगी।

- **स्थापना:** वर्ष 2023 में एआई शोधकर्ताओं प्रत्युष कुमार और विवेक राघवन द्वारा स्थापित की गई।
- **उपलब्धियाँ:** कंपनी ने सर्वम-105B और सर्वम-30B सहित कई मूलभूत मॉडल विकसित किए हैं, जिन्हें बहुभाषी तर्क, दस्तावेज़ प्रसंस्करण और एज डिप्लॉयमेंट के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **भविष्य की रणनीति:** भारत सरकार के इंडियाएआई मिशन के तत्वावधान में, सर्वम एआई को देश का पहला स्वदेशी एलएलएम विकसित करने के लिए चुना गया है, जो तीन अलग-अलग वेरिएंट (उन्नत तर्क के लिए सर्वम-लार्ज, वास्तविक समय के अनुप्रयोगों के लिए सर्वम-स्मॉल और ऑन-डिवाइस संचालन के लिए सर्वम-एज) का निर्माण करेगा, जिसमें 70 अरब तक पैरामीटर होंगे।
- **भारत का यूनिकॉर्न स्कोरकार्ड, 2026**
  - **जून, 2026 तक नए यूनिकॉर्न:** 5
  - **जून, 2026 तक भारत में कुल यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या:** 131
  - **वैश्विक रैंकिंग:** अमेरिका और चीन के बाद तीसरा स्थान।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **यूनिकॉर्न:** "यूनिकॉर्न" से तात्पर्य एक निजी स्वामित्व वाली स्टार्टअप कंपनी से है जिसका मूल्य 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।